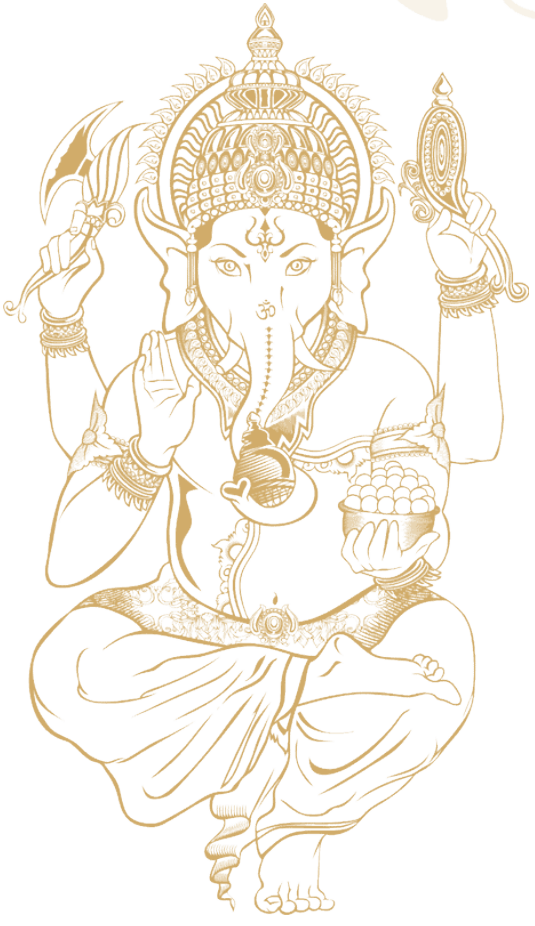

Aniket Sharma

Titiksha Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121578414

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
26/09/2001 :	जन्म तिथि	: 25/05/2002
बुधवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 15:04:00 :	जन्म समय	: 21:20:00 घंटे
घटी 22:25:14 :	जन्म समय(घटी)	: 39:04:28 घटी
India :	देश	: India
Hyderabad :	स्थान	: Hyderabad
17:22:00 उत्तर :	अक्षांश	: 17:22:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16 :	स्थानिक संस्कार	: -00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:05:54 :	सूर्योदय	: 05:42:12
18:09:05 :	सूर्यास्त	: 18:44:20
23:52:35 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:08

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 7मा 24दि		15:02:26	मक	लग्न	धनु	16:32:53	गुरु 4वर्ष 10मा 27दि	
राहु		09:29:27	कन्या	सूर्य	वृष	10:22:23	शनि	
22/05/2022		01:53:16	मक	चंद्र	तुला	29:14:33	22/04/2007	
21/05/2040		15:55:37	धनु	मंगल	मिथु	04:14:58	22/04/2026	
राहु	01/02/2025	04:18:14	तुला	बुध व	वृष	12:51:56	शनि	25/04/2010
गुरु	27/06/2027	19:38:08	मिथु	गुरु	मिथु	21:26:04	बुध	02/01/2013
शनि	03/05/2030	12:36:22	सिंह	शुक्र	मिथु	12:13:01	केतु	11/02/2014
बुध	20/11/2032	21:05:33	वृष	शनि	वृष	22:39:12	शुक्र	13/04/2017
केतु	08/12/2033	08:00:06	मिथु व	राहु व	वृष	23:57:04	सूर्य	26/03/2018
शुक्र	08/12/2036	08:00:06	धनु व	केतु व	वृश्चि	23:57:04	चन्द्र	25/10/2019
सूर्य	02/11/2037	27:30:34	मक व	हर्ष	कुंभ	04:55:17	मंगल	03/12/2020
चन्द्र	04/05/2039	12:14:37	मक व	नेप व	मक	17:03:20	राहु	10/10/2023
मंगल	21/05/2040	18:58:24	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	22:43:24	गुरु	22/04/2026

लग्न-चलित

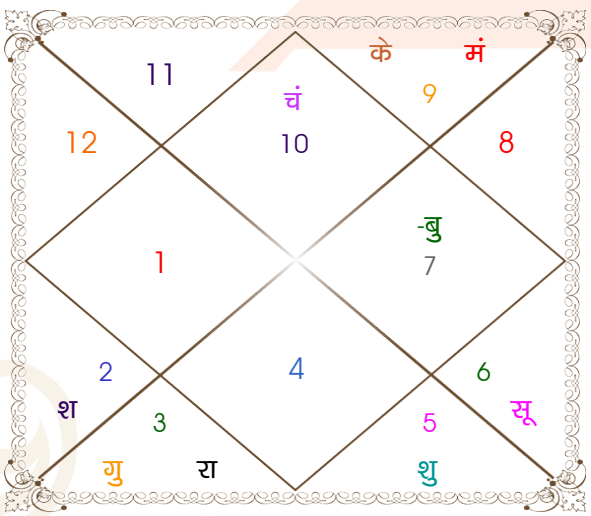

लग्न-चलित

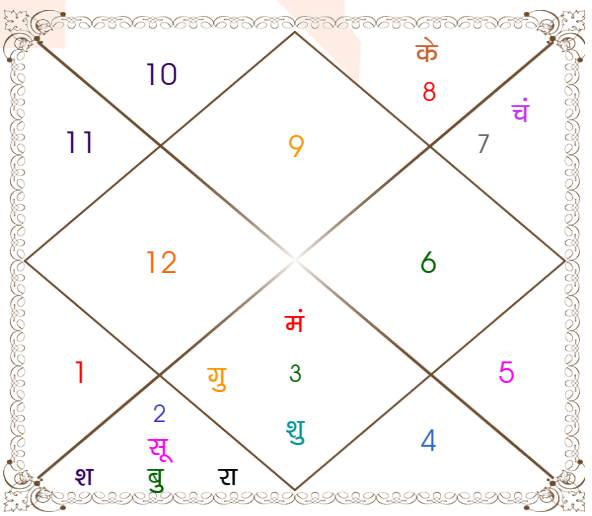

Pandit Chidamber Mishra
9246159232

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

।दपामजौंतउं का वर्ग मूषक है तथा ज्पजपोंौंतउं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दपामजौंतउं और ज्पजपोंौंतउं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

।दपामजौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दपामजौंतउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्पजपोंौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ज्पजपोंौंतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ज्पजपर्ीीतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।दपामजर्ीीतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दपामजर्ीीतउं तथा ज्पजपर्ीीतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।